

हरियाणा में किसान फैक्टर

चर्चा में क्यों

हाल ही में, हरियाणा के विधानसभा चुनावों में किसानों में अशांति एक प्रमुख मुद्दा बन गया है, जो राज्य की [कृषि अर्थव्यवस्था](#) की उभरती गतिशीलता को उजागर करता है

प्रमुख बिंदु

- **कृषि और रोजगार:** राज्य के [सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन \(GSVA\)](#) में कृषि की हस्तिसेदारी के मामले में हरियाणा **8वें स्थान** पर है, वर्ष 2022-23 के GSVA आँकड़ों के अनुसार यह **लगभग 18%** है।
 - हालाँकि, कुल कार्यबल में कृषि की हस्तिसेदारी के मामले में, [आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण \(PLFS\) 2022-23](#) के अनुसार **लगभग 32%**, हरियाणा **15वें स्थान** पर है।
 - समग्र उत्पादन और रोजगार दोनों में कृषि का अपेक्षाकृत कम हस्तिसे होने के बावजूद, **प्रति कृषि श्रमिक** कृषि में सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन (GSVA) के मामले में हरियाणा, **पंजाब के बाद भारत में दूसरे स्थान** पर है।
 - इससे पता चलता है कि भारत के अन्य राज्यों की तुलना में **हरियाणा में कृषि एक महत्त्वपूर्ण उच्च मूल्य वाली गतिविधि** है।
- **हरियाणा के लिये कृषि परिवारों की स्थिति आकलन सर्वेक्षण:** [सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय](#) के तहत [राष्ट्रीय प्रतिदिश सर्वेक्षण कार्यालय \(NSSO\)](#) द्वारा [स्थिति आकलन सर्वेक्षण](#) आयोजित किया गया था। यह डेटा मुख्य रूप से वर्ष 2018-19 के सर्वेक्षण से है, जिसमें वर्ष 2021-22 से कुछ अपडेट उपलब्ध हैं।
 - हरियाणा में कुल परिवारों में से लगभग **14.7%** **कृषि परिवार** हैं।
 - **हरियाणा में कृषि परिवारों** की औसत मासिक आय लगभग **23,000 रुपए** है।
 - कृषि परिवारों की कुल आय का लगभग **48%** हस्तिसे कृषि गतिविधियों से आता है।
 - **हरियाणा में गेहूँ और चावल** जैसी **प्रमुख फसलों** की **उत्पादकता** उच्च है, तथा उपज प्रायः राष्ट्रीय औसत से अधिक होती है।
 - कृषि कार्यबल का एक बहुत बड़ा हस्तिसे **मौसमी श्रम** और [आकस्मिक रोजगार](#) में लगा हुआ है

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण

- **परिचय:**
 - यह भारत में रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति का आकलन करने के लिये [सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय \(MoSPI\)](#) के तहत **NSO** द्वारा किया गया एक सर्वेक्षण है।
 - NSO ने **अप्रैल 2017 में PLFS का शुभारंभ किया**।
- **PLFS का उद्देश्य:**
 - **'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (CWS)** में केवल शहरी क्षेत्रों के लिये तीन महीने के लघु समय अंतराल में प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (**अर्थात् श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर**) का अनुमान लगाना।
 - ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में **'सामान्य स्थिति'** और CWS दोनों में रोजगार एवं बेरोजगारी संकेतकों का वार्षिक अनुमान लगाना।